विषयवस्तु

प्राक्कथन

पृष्ठ संख्या

1. रिपोर्ट की विषय-वस्तु 1-6

2. संकट की उत्पत्ति और उसका स्वरूप 7-58

संकट के लिए कारण 8

ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में वित्तीय संकट 27

हाल का संकट पूर्व के संकटों से कैसे भिन्न है 47

निष्कर्षात्मक टिप्पणियां 57

3. संकट का प्रादुर्भाव 59-125

वित्तीय बाजारों पर प्रभाव 60

वित्तीय प्रणाली पर प्रभाव 78

बाह्य क्षेत्र पर प्रभाव 87

वास्तविक अर्थव्यवस्था पर प्रभाव 106

निष्कर्षात्मक टिप्पणियां 123

4. संकट के प्रति अंतरराष्ट्रीय अनुक्रियाएं 126-190

वित्तीय संकट के दौरान नीतिगत अनुक्रियाएं : ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य 127

मौद्रिक नीतिगत अनुक्रियाएं 132

वित्तीय क्षेत्र को राजकोषीय सहायता 143

प्रति-चक्रीय राजकोषीय नीति : कीन्स के उपाय 149

राजकोषीय और मौद्रिक नीति का समन्वय 160

बहुदेशीय संस्थाओं की अनुक्रिया 163

वित्तीय क्षेत्र की नीतियां 166

निष्कर्षात्मक टिप्पणियां 188

5. भारत पर संकट का प्रभाव और नीतिगत उपाय: वित्तीय क्षेत्र 191-241

वैश्विक एकीकरण के माध्यम 192

वित्तीय बाजारों पर वैश्विक संकट का प्रभाव 197

बैंकिंग क्षेत्र, म्यूचुअल फंड और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियाँ 218

नीतिगत उपाय 233

निष्कर्षात्मक टिप्पणियां 239

(जारी...)

पृष्ठ संख्या

6. संकट का प्रभाव और भारत में नीतिगत अनुक्रिया : संपदा क्षेत्र 242-292

वैश्विक आघात का संपदा क्षेत्र में संचरण 242

व्यापार सरणी के माध्यम से भारत पर प्रभाव 248

वित्तीय सरणी के माध्यम से भारत पर प्रभाव 270

बचत निवेश और वृद्धि पर प्रभाव 276

निष्कर्षात्मक टिप्पणियां 289

7. संकट से प्राप्त सबक और भावी चुनौतियां 293-336

केंद्रीय बैंकों के लिए सबक 296

वित्तीय विनियमन और पर्यवेक्षण के लिए सबक 302

अन्तरराष्ट्रीय नीति समन्वयन 311

अन्तरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थाओं की भूमिका 312

वैश्विक असंतुलन और समष्टि-आर्थिक प्रबंधन 314

राजकोषीय नीति के लिए सबक 315

साख-श्रेणी-निर्धारण एजेंसियों की भूमिका 316

वित्तीय और संपदा क्षेत्रों के आकार में संतुलन 317

भारत सहित उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाओं के लिए सबक 317

नीति निर्माताओं के लिए प्रमुख चुनौतियाँ 327

निष्कर्षात्मक टिप्पणियाँ 333

चुने हुए संदर्भ ..... I-XXIV

(जारी...)

बॉक्स मदों की सूची

बॉक्स संख्या	शीर्षक	पृष्ठ संख्या
II.1	उत्पादन से वितरण का मॉडल	17
II.2	क्रेडिट रेटिंग एजेंसियाँ (सीआरए) : वरदान या अभिशाप ?	20
II.3	छाया बैंकिंग की संकल्पना	23
II.4	महान मंदी	31
II.5	पूर्वी एशियाई संकट	34
II.6	महान मंदी और भारत	48
II.7	ग्रीस में संकट की उत्पत्ति	55
III.1	घरेलू धन-संपदा पर गिरती परिसंपत्ति कीमतों का प्रभाव	77
III.2	क्यों एशियाई निर्यातों पर सबसे बुरा प्रभाव पड़ा ?	91
III.3	कुल माँग पर प्रभाव	108
III.4	वित्तीय संकट के संक्रमण के माध्यम : वित्तीय और वास्तविक संबद्धताएँ	117
III.5	एशिया पर वैश्विक संकट का प्रभाव	120
III.6	तेजी और मंदी की अवधि के दौरान श्रमिक उत्पादकता का विश्लेषण	121
IV.1	अंतिम ऋणदाता	128
IV.2	महामंदी और हाल के संकट के दौरान नीतिगत अनुक्रियाएं	131
IV.3	मात्रात्मक सुधार और केंद्रीय बैंक का तुलनपत्र	138
IV.4	जमाराशि की गारंटी से संबंधित उपाय	145
IV.5	प्रति-चक्रीय उपायों के रूप में विवेकाधीन राजकोषीय नीति	150
IV.6	हाल के संकट में राजकोषीय नीति की सार्थकता	151
IV.7	राजकोषीय नीति की प्रभावशीलता के लिए कुछ अपेक्षाएं	152
IV.8	राजकोषीय प्रवर्धक के निर्धारक	157
IV.9	जी-20 कार्यदल 3 : आईएमएफ में सुधार	164
IV.10	वित्तीय सुधार के संबंध में जी-30 की रिपोर्ट : वित्तीय स्थिरता के लिए ढाँचा	167
IV.11	सुदृढ़ विनियमन को बढ़ाने और पारदर्शिता को मजबूत करने से संबंधित जी-20 कार्यदल 1 की रिपोर्ट : प्रमुख अनुशंसाएं	169
IV.12	टर्नर समीक्षा : प्रमुख अनुशंसाएं	171
IV.13	यूरोपीय संघ में वित्तीय पर्यवेक्षण से संबंधित उच्च-स्तरीय समूह की अनुशंसाएं	172

(जारी...)

बॉक्स संख्या	शीर्षक	पृष्ठ संख्या
IV.14	अंतरराष्ट्रीय मौद्रिक और वित्तीय प्रणाली के सुधारों पर संयुक्त राष्ट्र महासभा की अध्यक्षता में विशेषज्ञों के आयोग की रिपोर्ट (अध्यक्षता : जोसेफ ई स्टिगलिट्ज)	175
IV.15	जी-20 कार्यदल 2 : अंतरराष्ट्रीय सहयोग को पुन: प्रबलित करना और वित्तीय बाज़ारों में अखंडता को बढ़ावा देना	176
IV.16	अमरीकी प्रशासन की वित्तीय क्षेत्र की योजना	178
IV.17	बासेल II ढाँचे में सुधार	180
IV.18	एफएएसबी और आईएएसबी दृष्टिकोण	181
IV.19	वित्तीय विनियमन के दायरे को बढ़ाना	184
V.1	वित्तीय खुलापन एवं आर्थिक संवृद्धि	194
V.2	विदेशी मुद्रा चलनिधि बढ़ाने के लिए नीतिगत उपाय	201
V.3	प्रमुख वैश्विक घटनाएँ और भारतीय शेयर बाजारों की प्रतिक्रिया	214
V.4	विनियामक उपाय	223
V.5	मौद्रिक नीति का तुलनपत्र संबंधी प्रभाव	224
V.6	एनबीएफसी द्वारा सामना किये गये वित्तीय दबाव पर ध्यान देने के लिए किये गये नीतिगत उपाय	229
V.7	वैश्विक वित्तीय संकट की पृष्ठभूमि में राजकोषीय नीति प्रतिक्रिया	235
V.8	मौद्रिक नीति संबंधी उपाय	238
VI.1	उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाओं (ईएमई) की तुलना में भारत में संभाव्य वृद्धि की हानि	247
VI.2	निर्यात और देशी वृद्धि संबंध : वृद्धि लेखांकन दृष्टिकोण	250
VI.3	विदेश व्यापार का ग्रैविटी मॉडल	255
VI.4	भारत के इंजीनियरी सामान का निर्यात	256
VI.5	वस्तु मूल्य का आस्ति कीमतों, निवेश, व्यापार और आर्थिक कार्यकलाप पर प्रभाव	262
VI.6	वैश्विक संकट और सॉफ्टवेयर निर्यात पर इसका प्रभाव	269
VI.7	भारत में विदेशी बचत और निवेश	271
VI.8	वैश्विक संकट और भारत में कारपोरेटों का कार्यसंपादन	286

(जारी...)

चार्ट की सूची

चार्ट संख्या	शीर्षक	पृष्ठ संख्या
II.1	वैश्विक असंतुलन : 1990-2009	11
II.2	अमेरिकी वास्तविक ब्याज दर और प्रभावी फेड निधि दर	14
II.3	संरचित वित्त उत्पाद : मात्र्योष्का 'रूसी गुड़िया' संरचना	19
II.4	संकट की घटनाओं के दौरान विकासशील देशों को पूँजी प्रवाह (जीडीपी के प्रतिशत के रूप में)	53
II.5	संकट की घटनाओं के दौरान ईएमई व्यापार परिमाण में विद्यमान प्रवृत्तियाँ (प्रतिशत में परिवर्तन)	53
II.6	1930 के बाद के दशक से अमेरिका की जीडीपी संवृद्धि (वार्षिक प्रतिशत परिवर्तन)	54
III.1	निधीयन नकदी और अंतर-बैंक स्प्रेड	62
III.2	ऋण बाजार पर प्रभाव	63
III.3	शेयर बाजारों में उतार-चढ़ाव	67
III.4	कारपोरेट बांड बाजार पर प्रभाव	69
III.5	सरकारी बांड आय में उतार-चढ़ाव	71
III.6	विनिमय दरों में उतार-चढ़ाव	73
III.7	पण्य कीमतों में उतार-चढ़ाव	75
III.8	आवास कीमतों में उतार-चढ़ाव	78
III.9	बैंकों के लिए हानि प्रावधान के कार्यान्वित और प्रत्याशित अवलेखन	79
III.10	अमेरिका में बैंक विफलताएँ	80
III.11	बीमा क्षेत्र ऋण चूक स्वैप स्प्रेड	86
III.12	अंतरराष्ट्रीय व्यापार - प्रवृत्तियाँ और महत्व	87
III.13	मासिक व्यापार निष्पादन	89
III.14	क्षेत्र-वार व्यापार निष्पादन	90
III.15	विप्रेषण बहिर्वाह	93
III.16	उभरते और विकासशील देशों को निवल पूँजी प्रवाह	98
III.17	आर्थिक संवृद्धि पर संकट का प्रभाव	109
III.18	जीडीपी संवृद्धि में समकालिक पतन	109

(जारी...)

चार्ट संख्या	शीर्षक	पृष्ठ संख्या
III.19	उपभोक्ता कीमत वृद्धि - चुनिंदा देश	111
III.20	यूरो क्षेत्र में वास्तविक जीडीपी	113
III.21	औद्योगिक उत्पादन में वृद्धि (एसए)	115
IV.1	मौद्रिक नीतिगत दरें : टेलर नियम से विचलन	135
IV.2	सितम्बर 2008 से मार्च 2009 के दौरान नीतिगत दरों में कटौती	140
IV.3	वर्ष 2008-10 के दौरान ओईसीडी देशों में राजकोषीय पैकेजों (राजस्व और खर्च उपायों) का आकार (2008 के जीडीपी के प्रतिशत के रूप में)	153
IV.4	ओईसीडी देशों में विवेकाधीन राजकोषीय प्रोत्साहन और स्वचालित स्थिरीकारी	154
IV.5	जी-20 देशों में विवेकाधीन राजकोषीय प्रोत्साहन और उत्पादन अंतराल	154
IV.6	जी-20 देशों में विवेकाधीन राजकोषीय प्रोत्साहन और प्रारंभिक ऋण स्थिति	154
V.1	देशी अर्थव्यवस्था पर वैश्विक आघातों की प्रमुख संचरण सारणियाँ	192
V.2	भारतीय अर्थव्यवस्था का बाह्य खुलापन	196
V.3	निर्यात, बैंक ऋण और पूँजी प्रवाह के साथ जीडीपी की चक्रीय समकालिकता (सहसंबंध गुणांक)	196
V.4	विनिमय दर की प्रवृत्ति (यूएसडी-आइएनआर)	198
V.5	भारत के विदेशी मुद्रा बाजार में अस्थिरता और दर	200
V.6	भारतीय रुपये में उतार-चढ़ाव	200
V.7	विदेशी मुद्रा स्वाप सुविधा और यूएसडी-आइएनआर अस्थिरता	202
V.8	चलनिधि समायोजन सुविधा और मांग दर	203
V.9	मांग दर अस्थिरता	204
V.10	चलनिधि-स्थिति और मुद्रा बाजार दर	205
V.11	सीपी और सीडी निर्गम	206
V.12	मुद्रा बाजार स्प्रेड	207
V.13	सरकारी प्रतिभूति बाजार की गतिविधियाँ	208
V.14	2007-09 के दौरान बेंचमार्क आय में उतार-चढ़ाव (1 वर्ष, 5 वर्ष और 10 वर्ष)	209
V.15	शेयर बाजारों में अस्थिरता	215
V.16	क्षेत्रीय बैंक ऋण में वृद्धि की प्रवृत्ति	222

(जारी...)

चार्ट संख्या	शीर्षक	पृष्ठ संख्या
V.17	ऋण-वृद्धि की प्रवृत्ति और आर्थिक कार्यकलाप	222
V.18	ब्याज दर में उतार-चढ़ाव	226
V.19	बीएसई सेंसेक्स और म्यूचुअल फंडों द्वारा निवल निवेश	227
V.20	वित्तीय दबाव संकेतक	232
V.21	जीडीपी वृद्धि में सरकारी उपभोग का आपेक्षिक योगदान	237
VI.1	जीडीपी वृद्धि की प्रवृत्ति	244
VI.2	भारत की व्यवसाय-चक्र समकालिकता (2005ति1 - 2009ति2)	245
VI.3	औद्योगिक क्षेत्र की समकालिकता	246
VI.4	निर्यात और बाह्य मांग	249
VI.5	आयात और औद्योगिक कार्यकलाप	260
VI.6	भारत का पण्य आयात और वैश्विक कीमतें	261
VI.7	वैश्विक पण्य मूल्य-चक्र	261
VI.8	तेल और खाद्यान्न की कीमतें	264
VI.9	व्यापार संबद्ध सेवाएँ	266
VI.10	धन-प्रेषण : प्रवृत्ति और अंतरराष्ट्रीय तेल मूल्यों के साथ संबंध	268
VI.11	पूँजी प्रवाह और देशी पूँजी निर्माण	271
VI.12	ईसीबी संवितरण एवं पूँजीगत वस्तुओं का आयात	273
VI.13	वित्तीय सरणी के संकेतक	274
VI.14	मांग-पक्ष घटकों में त्रैमासिक वृद्धि की प्रवृत्ति	280
VI.15	चक्रीय आइआइपी, निर्यात और एफडीआई की प्रवृत्ति	283
VI.16	सेवाओं का आपेक्षिक अंशदान	288

(जारी...)

सारणियों की सूची

सारणी संख्या	शीर्षक	पृष्ठ संख्या
2.1	अमेरिका के समष्टि मानदंड	10
2.2	चालू खाता शेष	10
2.3	चालू खाता शेष (जीडीपी का प्रतिशत)	11
2.4	बचत और निवेश	12
2.5	वस्तुओं और सेवाओं के निर्यात	13
2.6	बंधक उद्भव	16
2.7	ऋण कर्ज दायित्वों (सीडीओ) का वैश्विक निर्गम	19
2.8	सब-प्राइम एक्सपोज़र और हानियाँ	22
2.9	वित्तीय संकट का आपतन	35
2.10	वित्तीय संकट की आवृत्ति :1973-2007	36
2.11	प्रमुख वित्तीय संकट : 1873-2007	36
2.12	वैश्विक संकट जो अमेरिका में उत्पन्न हुए	47
2.13	वित्तीय संकटों की अवधि और गहराई	49
2.14	वैश्विक असंतुलनों की पिछली घटनाएँ	49
2.15	संपूर्ण संकट : स्थूल संकेतक	50
2.16	विभिन्न देशों में संकट : प्रारंभिक स्थितियाँ	51
2.17	अमेरिका : महान मंदी की तुलना में वर्तमान संकट	54
3.1	अंतर-बैंक स्प्रेडों में उतार-चढ़ाव:	61
3.2	चयनित एशियाई अर्थव्यवस्थाओं में निजी घरेलू ऋण की वृद्धि	64
3.3	ऋण बाजार स्प्रेड	64
3.4	उभरते बाजारों के ईक्विटी निर्गम	66
3.5	शेयर बाजार परिवर्तन - चयनित देश	66
3.6	उभरती ईक्विटी कीमतों का कार्य-निष्पादन	66
3.7	विभिन्न देशों में शेयर बाजार पूँजीकरण	67
3.8	उभरते बाजारों के बांड निर्गम -चयनित देश	69
3.9	उभरते बाजारों के बांड स्प्रेड - चयनित देश	70

(जारी...)

सारणी संख्या	शीर्षक	पृष्ठ संख्या
3.10	उभरते यूरोप में सरकारी बाह्य उधार	71
3.11	विनिमय दरें : अमेरिकी डॉलर की तुलना में मुद्राओं की मूल्यवृद्धि (+)/मूल्यह्रास (-)	73
3.12	चयनित उभरते देशों की वास्तविक प्रभावी विनिमय दरों का उतार-चढ़ाव	74
3.13	वैश्विक पण्य कीमतों में उतार-चढ़ाव	76
3.14	कुल औसत परिसंपत्तियों के प्रतिशत के रूप में प्रमुख बैंकों की लाभप्रदता	80
3.15	बैंकिंग संकेतक - चयनित देश	81
3.16	लेहमैन ब्रदर्स के प्रति एक्सपोज़र से युक्त चयनित एशियाई बैंक	82
3.17	बैंक अनुपात	83
3.18	बैंकिंग संकेतक - चयनित देश	83
3.19	उभरते बाजारों की बचाव निधियाँ	86
3.20	व्यापार का खुलापन - चयनित देश	88
3.21	विश्व व्यापार के परिमाण में विकास	88
3.22	चयनित एशियाई देशों में व्यापार निष्पादन	92
3.23	पण्य और वाणिज्य सेवाओं के वैश्विक निर्यात	92
3.24	विकासशील देशों को विप्रेषण प्रवाह, 2002-09	94
3.25	2009 में प्रमुख विप्रेषण प्राप्तकर्ता विकासशील और संक्रमणशील अर्थव्यवस्थाएँ	94
3.26	विभिन्न देशों के व्यापार शेष और चालू खाता शेष में उतार-चढ़ाव	95
3.27	उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाओं (ईएमई) में पूँजी प्रवाह : विभिन्न घटनाओं की तुलना	96
3.28	क्षेत्रवार उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाओं (ईएमई) को निवल पूँजी अंतर्वाह	97
3.29	विकासशील देशों को निवल बाह्य पूँजी प्रवाह	99
3.30	प्रमुख उन्नत अर्थव्यवस्थाओं से बहिर्वाह	100
3.31	विभिन्न देशों में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (एफडीआइ) प्रवाहों का उतार-चढ़ाव	101
3.32	विभिन्न देशों के संविभाग प्रवाहों में उतार-चढ़ाव	102
3.33	अल्पावधि व्यापार ऋण के संबंध में विभिन्न देशों की तुलना	103
3.34	परिपक्वता के लिए एक वर्ष तक शेष अंतरराष्ट्रीय अल्पावधि देयताएँ	105
3.35	अंतरराष्ट्रीय आरक्षित निधि संचलन	106
3.36	वास्तविक जीडीपी में वृद्धि	107

(जारी...)

सारणी संख्या	शीर्षक	पृष्ठ संख्या
3.37	जीडीपी में तिमाही वृद्धि	107
3.38	2009 के लिए जीडीपी वृद्धि के अनुमानों की तुलना	109
3.39	सकल बचत और निवेश	110
3.40	उपभोक्ता कीमत वृद्धि में विद्यमान प्रवृत्तियाँ	111
3.41	वास्तविक घरेलू माँग की संरचना (मौसमी तौर पर समायोजित)	112
3.42	यूरो क्षेत्र में आवासीय संपत्ति की कीमतें	114
3.43	सरकारी राजकोषीय शेष	116
3.44	वास्तविक जीडीपी वृद्धि, निवेश और निर्यात - चुनिंदा एशियाई अर्थव्यवस्थाएँ	118
3.45	बेरोजगारी की दरें	123
4.1	केंद्रीय बैंकों के परंपरागत और गैर-परंपरागत उपायों का वर्गीकरण	133
4.2	उन्नत देशों में नीतिगत दरों में कटौती	134
4.3	केंद्रीय बैंकों के हाल के चुनिंदा उपाय	135
4.4	केंद्रीय बैंकों द्वारा शुरू किये गये प्रमुख संकट निवारण हस्तक्षेप	137
4.5	उभरती बाज़ार अर्थव्यवस्थाओं के केंद्रीय बैंकों द्वारा चुनिंदा गैर-परंपरागत उपाय	139
4.6	चुनिंदा उभरती बाज़ार अर्थव्यवस्थाओं में कार्यान्वित उपाय (सितम्बर 2008 - मई 2009)	140
4.7	संकटकाल में हस्तक्षेप की प्रभावशीलता	141
4.8	3-महीने की लिबॉर-एक दिवसीय सूचकांक अदला-बदली स्प्रेड : चरम बिन्दु से गिरावट	142
4.9	जून 2009 को वित्तीय क्षेत्र को सहायता (2008 के जीडीपी के प्रतिशत के रूप में)	147
4.10	विगत में चुनिंदा संकटों की राजकोषीय लागत (जीडीपी के प्रतिशत के रूप में)	148
4.11	घोषणाओं की तुलना में वित्तीय क्षेत्र को की गई सहायता की उपयोगिता (2008 के जीडीपी के % के रूप में)	148
4.12	वर्ष 2008-10 में जी-20 देशों में विवेकाधीन उपायों का आकार	153
4.13	वर्ष 2008-10 के दौरान ओईसीडी देशों में राजकोषीय पैकेजों का संघटन (जीडीपी के प्रतिशत के रूप में)	155
4.14	जी-20 प्रोत्साहन उपाय, 2008-10	156
4.15	ओईसीडी देशों में प्रवर्धक	158
4.16	जी-20 देश - विकास पर राजकोषीय विस्तार का प्रभाव	159

(जारी...)

सारणी संख्या	शीर्षक	पृष्ठ संख्या
4.17	ऋण गतिकी और ऋण स्थिरीकारी प्राथमिक शेष	160
5.1	भारतीय अर्थव्यवस्था के खुलेपन के संकेतक	195
5.2	विदेशी मुद्रा बाजार में लेनदेन	199
5.3	भारतीय रुपये में उतार-चढ़ाव	199
5.4	मुद्रा बाजार खंडों में कार्यकलाप	205
5.5	सरकारी प्रतिभूति बाजार में लेन देन	209
5.6	गैर-सरकारी पब्लिक लिमिटेड कंपनियों द्वारा नये पूँजी निर्गम	211
5.7	शेयर बाजारों का बाजार पूँजीकरण : क्षेत्रवार	212
5.8	उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाओं में शेयर बाजारों का बाजार पूँजीकरण	212
5.9	भारतीय शेयर बाजारों की चुनिंदा देशों के साथ चक्रीय तुल्यकालिकता	213
5.10	भारत के शेयर बाजार का क्षेत्रीय और वैश्विक बाजारों के साथ एकीकरण	213
5.11	बीएसई और निफ्टी सूचकांकों की प्रवृत्ति	215
5.12	शेयर बाजार के संकेतक	216
5.13	एफआईआई प्रवाह और भारत के शेयर बाजार : कारण संबंध	217
5.14	वास्तविक शेयर प्रतिलाभ और औद्योगिक उत्पादन वृद्धि पेयरवाइज ग्रैंजर कॉजेलिटी टेस्ट	218
5.15	बैंक आकार और औसत परिचालन-कार्य	219
5.16	अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के तुलनपत्र की वृद्धि - बैंक समूहवार	220
5.17	ऋण-वृद्धि और वित्तीय कार्यसंपादन : वर्ष 2008-09	221
5.18	क्षेत्रीय बैंक ऋण में वृद्धि	222
5.19	म्युचुअल फंडों द्वारा संसाधन संग्रहण	227
5.20	म्युचुअल फंडों द्वारा क्षेत्रवार जुटाये गये निवल संसाधन	227
5.21	एनबीएफसी-डी का समेकित तुलनपत्र	228
5.22	एनबीएफसी-डी का एनपीए अनुपात	229
5.23	एनबीएफसी-डी का वित्तीय कार्यसंपादन	230
5.24	मासिक वित्तीय दबाव संकेतक	231
5.25	चलनिधि अंत:क्षेप/उपलब्धता सितंबर 2008 - सितंबर 2009 के दौरान	237
6.1	भारत में समग्र मांग की संरचना में बदलाव	242

(जारी...)

सारणी संख्या	शीर्षक	पृष्ठ संख्या
6.2	भारत और विश्व अर्थव्यवस्था की वृद्धि के बीच सहसंबंध	244
6.3	उन्नत एवं उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाओं (ईएमई) के साथ भारत की व्यवसाय-चक्र समकालिकता (जीडीपी वृद्धि)	245
6.4	उन्नत एवं उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाओं (ईएमई) के साथ भारत की व्यवसाय-चक्र समकालिकता (पारिवारिक उपभोग)	245
6.5	विश्व व्यापार कार्यसंपादन	249
6.6	विश्व आय में भारत के पण्य निर्यात की लोच-अनुक्रिया	250
6.7	आर्थिक वृद्धि में उपभोग, निवेश और निर्यात का योगदान	251
6.8	भारत में निजी उपभोग के कुछ निर्धारक तत्व	251
6.9	भारत का व्यापार कार्यसंपादन	252
6.10	भारत के पण्य निर्यात की संरचना	253
6.11	वैश्विक संकट और भारत का निर्यात	254
6.12	भारत के निर्यात का भौगोलिक विविधीकरण	254
6.13	भारत के निर्यात की व्यापक दिशा पर आपेक्षिक कीमत एवं वास्तविक मांग का प्रभाव (दीर्घावधि सह-एकीकरण गुणांक)	255
6.14	प्रमुख निर्यात उद्योंगों के प्रधान लक्षण	257
6.15	फर्म-स्तरीय निर्यात उन्मुखता	257
6.16	वैश्विक संकट और भारत का आयात	258
6.17	भारत के आयात की पण्य संरचना	258
6.18	भारत के आयात का भौगोलिक विविधीकरण	259
6.19	उत्पादन की आयात तीव्रता : फर्म-स्तरीय साक्ष्य	260
6.20	अंतरराष्ट्रीय तेल मूल्यों का विकसित एवं उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाओं के निर्यात-मूल्य में अंतरण : ग्रैंजर कारणत्व विश्लेषण	263
6.21	भारत के आयात मूल्य का वैश्विक एवं क्षेत्रीय निर्यात मूल्यों से सहसंबंध	263
6.22	भारत के आयात मूल्य सूचकांक का देशी मूल्यों (डब्लूपीआइ) के साथ सहसंबंध	263
6.23	तेल आयात परिमाण वृद्धि	264
6.24	भारत का खाद्यान्न आयात और निर्यात	265
6.25	उपभोग की अपेक्षाओं के लिए आयात पर भारत की निर्भरता	265

(जारी...)

सारणी संख्या	शीर्षक	पृष्ठ संख्या
6.26	वर्ष 2008 में शीर्ष सेवा निर्यातकों के बीच भारत की तुलनात्मक स्थिति	267
6.27	सेवा निर्यात और आयात में वृद्धि (अमरीकी डालर)	267
6.28	पर्यटन क्षेत्र से भारत की विदेशी मुद्रा आय	267
6.29	सॉफ्टवेयर सेवा-निर्यात	268
6.30	भारत का सॉफ्टवेयर सेवा निर्यात	268
6.31	भारत : निवल पूँजी प्रवाह	272
6.32	भारत में विदेशी निवेश	272
6.33	आरक्षित निधियों में परिवर्तन	276
6.34	सकल घरेलू बचत में अंशदान	277
6.35	वर्तमान कीमतों पर सकल देशी पूँजी निर्माण	278
6.36	उपादान लागत पर जीडीपी में त्रैमासिक वृद्धि	279
6.37	समग्र मांग के घटकों के साथ जीडीपी का चक्रीय सहगमन (सहसंबंध गुणांक)	280
6.38	जीडीपी के मांग-घटकों में वृद्धि (वर्ष 2004-05 की कीमतों पर)	281
6.39	जीडीपी में क्षेत्रीय वृद्धि (वर्ष 2004-05 की कीमतों पर)	282
6.40	उन्नत एवं उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाओं में औद्योगिक वृद्धि	283
6.41	उद्योग के व्यापक क्षेत्रों का कार्यसंपादन	284
6.42	17 द्विअंकीय विनिर्माण उद्योगों का वृद्धि-कार्यसंपादन	285
6.43	निर्यातोन्मुख विनिर्माण उद्योगों में औसत वृद्धि (आइआइपी पर आधारित)	285
6.44	उपयोग आधारित उद्योगों की मासिक वृद्धि	286
6.45	आधारभूत संरचना उद्योगों के लक्ष्य और उपलब्धि के बीच अंतराल	287
6.46	भिन्न-भिन्न स्तरों पर सेवा-क्षेत्र की वृद्धि	289